डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www awajdarpan.com पर पढ़ें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक २५ रविवार ०९ जून से १५ जून २०२४ मूल्य तीन-रुपये

तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार

राष्ट्रपति मुर्मू ने सौंपा मनोनयन पत्र

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया। रिपोर्ट के मुताबिक, नई सरकार का शपथग्रहण समारोह रविवार की शाम को होगा। मोदी ने शुक्रवार शाम को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने मोदी को मनोनयन पत्र सौंपा। साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी को दही–चीनी भी खिलाया। इससे पहले, भाजपा नीत राजग के नेताओं ने मुर्मू से मुलाकात की थी और मोदी के लिए समर्थन पत्र सौंपा। मालूम हो कि मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया है।

राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में मीडिया को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया है। मोदी ने कहा, श्राष्ट्रपति ने मुझे मनोनीत प्रधानमंत्री के रूप में काम करने के लिए कहा है और उन्होंने मुझे शपथ समारोह के लिए आमंत्रित किया है।' मोदी ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को बताया कि 9 जून का दिन शपथग्रहण के लिए उचित रहेगा।श उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन रविवार को शपथग्रहण समारोह का विवरण तैयार करेगा और तब तक वह मंत्रिपरिषद की सूची राष्ट्रपति को सौंप देंगे।

पीएम मोदी ने कहा, 'यह 18वीं लोकसभा उन सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जब देश 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा।' उन्होंने कहा कि यह 18वीं लोकसभा नई ऊर्जा, युवा ऊर्जा का सदन है। लोगों ने राजग सरकार को एक और मौका दिया है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने 293 सीट पर जीत दर्ज की और 543 सदस्यीय सदन में बहुमत हासिल किया। गौरतलब है कि पीएम मोदी को छव। संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद भाजपा के प्रदेश कार्यालयों में उत्सव मनाया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी और एक–दूसरे को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

गर्मजोशी से मिले मोदी, योगी

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक में शिरकत की। इस दौरान सभी दलों के नेताओं ने नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना। इस बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों के साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। बैठक के बाद मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों से भेंट की और सभी का अभिवादन किया। इन सबके बीच यूपी के मुख्यमंत्री ने जब मोदी को गुलदस्ता देकर प्रणाम किया तो उन्होंने योगी आदित्यनाथ की पीठ थपथपाई। बता दें कि यह बैठक पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में हुई। दोनों के बीच हुई इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। चर्चा हो रही है कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन रहा उसके बाद इस तरह से मोदी और योगी की मिलना एक अलग ही संदेश दे रहा है। दोनों के बीच काफी गर्मजोशी दिखाई दी। बैठक बाद योगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के शिल्पकार, अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार सर्वसम्मति से भाजपा संसदीय दल, एनडीए संसदीय दल और लोकसभा के नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई! प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी नेतृत्व में एनडीए परिवार 'आत्मनिर्भर भारत–विकसित भारत' के निर्माण और 140 करोड़ परिजनों की सेवा हेतु पूर्णतः संकल्पित है। भारत माता की जय!

संसद भवन की पुरानी इमारत में स्थित संविधान कक्ष में राजग की बैठक की औपचारिक शुरुआत होने के बाद वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने मोदी को राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी सहयोगी दलों ने अनुमोदन किया। अनुमोदन के बाद सभी नेताओं ने ध्वनि मत से मोदी को अपना नेता चुन लिया।

इससे पहले इस बीच वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। मोदी को अपना नेता चुनने के लिए यहां पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एकत्रित एनडीए नेताओं से जोशी ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 9 जून को शाम 6 बजे होगा। एनडीए सांसदों के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और गठबंधन के वरिष्ठ नेता बैठक में मौजूद थे।

भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने तीसरी बार एनडीए सरकार बनाये जाने पर साझा की खुशियां

संवाददाता–बस्ती। लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए की जीत और नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विजय उत्सव मनाया गया। इस मौके ढोल नगाड़े के साथ मिठाइयां बांटी गई।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता काफी खुश नजर आए। वहीं, एनडीए की जीत को लेकर संसदीय दलों की बैठक में कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दोहराया कि उनके जीवन का हर एक पल देश के लिए है। आने वाले पांच साल में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और खुशहाली और समृद्धि आएगी। इस बार के चुनाव में एनडीए को 293 सीटों पर जीत मिली है। इससे तय हो गया है कि केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। इस जीत से भाजपा कार्यकर्ता बेहद खुश नजर आ रहे हैं। भाजपा कार्यालय में भारत माता की जय के नारे लगे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने पुराने वैभव को प्राप्त करने के लिए बढ़ रहा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का बनना न सिर्फ पार्टी का बल्कि जनता जनार्दन के विश्वास की जीत है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमन्त्री बनकर इतिहास रचा है। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू एक बार नोमिनेटेड व दो बार इलेक्टेड हुए थे। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीनों बार इलेक्टेड हुए हैं। बस्ती लोकसभा में हमें भले ही सफलता नही मिल पाई लेकिन कार्यकर्ताओ को निराश नही होना है। बल्कि दुगनी उर्जा और जोश के साथ संगठन के काम में लगे रहना है। अब देश का विकास और तीव्र गति से होगा। इस मौके पर राकेश श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, जगदीश शुक्ल, अंकुर वर्मा, राम चरन चौधरी, अमृत कुमार वर्मा, चन्द्र शेखर मुन्ना, गजेन्द्र सिंह, अलोक पाण्डेय, सच्चिदानंद पाण्डेय, प्रेम प्रकाश चौधरी, दिलीप भट्ट, दिलीप पाण्डेय, अमित गुप्ता, अश्वनी श्रीवास्तव, हरि कृष्ण तिवारी डब्लू, अखण्ड सिंह, धर्मेन्द्र जायसवाल, श्रुति अग्रहरी, सचिन सिंह, अभिनव उपाध्याय, आशीष शुक्ल, सुभाष श्रीवास्तव, शिव बहादुर मौर्या, सतेन्द्र सिंह भोलू, रमेश गुप्ता, अतुल यादव, नीरज पाण्डेय, महेंद्र सोनकर, दिलीप शर्मा रवि तिवारी, आदर्श तिवारी, वेद प्रकाश, गौरव अग्रवाल, सुरेश सिंह, दिव्यांशु दुबे सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

30 जून तक सड़क चौड़ीकरण पूरा कराने का निर्देश

संवाददाता–बस्ती। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बड़ेवन से कम्पनी बाग चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण के सम्बन्ध में अपर जिला अधिकारी कमलेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। उन्होंने बैठक में उपस्थित समस्त संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया और कहा कि आगामी 30 जून तक सड़क चौड़ीकरण का समस्त कार्य पूर्ण कराएं।

उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, सीओ विनय सिंह चौहान को निर्देशित किया कि अतिक्रमण को तत्काल हटवाएं। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित दिया कि कार्य पूर्ण हो जाने के बाद खुदाई वाले स्थान को तत्काल समतल कराए।

बैठक में डीएफओ, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, अधिशासी अभियंता विद्युत मनोज सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी, सीओ विनय सिंह चौहान उपस्थित रहे।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।

– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

जनादेश के निहितार्थ

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उनका गहन विश्लेषण भी हो रहा है, पर इस प्रक्रिया के दौरान उन तीन नतीजों पर भी देश को गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा जहां से देश के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले तीन उम्मीदवार जीत गए हैं। पंजाब की खडूर साहिब और फरीदकोट लोकसभा सीटों के चुनाव परिणाम सिख राजनीतिक क्षेत्र में बड़े बदलाव और पंथिक राजनीति के पुनरुत्थान का संकेत देते हैं। कट्टरपंथी प्रचारक अमृतपाल सिंह ने खडूर साहिब से और इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह ने फरीदकोट से जीत हासिल की है, दोनों ही निर्दलीय प्रत्याशी थे। अमृतपाल सिंह खालिस्तान के पक्ष में बोलते रहे हैं। इसी तरह से जम्मू–कश्मीर की बारामूला सीट से इंजीनियर राशिद का राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमेर अब्दुल्ला को हराना अपने आप में सामान्य घटना नहीं हैं। राशिद पाकिस्तान परस्त रहे हैं और फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

पर पहले बात कर लें अमृतपाल सिंह की। उन्हें पिछले साल राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर असम के डिब्रूगढ़ में जेल में रखा गया था। सरबजीत सिंह की जीत ने भी साबित कर दिया है कि सिख अभी तक ऑपरेशन ब्लूस्टार और उन भयानक सिख विरोधी दंगों को भूले नहीं हैं। सच में फरीदकोट ने बड़ा आश्चर्यजनक नतीजा दिया जब सरबजीत सिंह ने हसौड़ लोकप्रिय अभिनेता करमजीत अनमोल को हरा दिया, जबकि उनका फरीदकोट में कोई बड़ा नेटवर्क नहीं था। जब इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल के कारण सरबजीत सिंह के पिता को गिरफ्तार किया गया था, वे तब मात्र 6 साल के थे। उन्होंने बारहवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वे पहले भी कई चुनावों में किस्मत आजमा चुके हैं। उन्होंने 2007 में बरनाला जिले के भदौर से पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ा और उन्हें केवल 15,702 वोट मिले। उन्होंने 2004 में बठिंडा लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव भी लड़ा और असफल रहे। उन्हें 1,13,490 वोट मिले। 2009 और 2014 में उन्होंने फिर से क्रमशः बठिंडा और फतेहगढ़ साहिब (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। सरबजीत सिंह की मां, बिमल कौर और उनके दादा, सुच्चा सिंह पूर्व में लोकसभा के लिए चुने गए थे। सरबजीत सिंह इस बार तो चुनाव लड़ने के मूड में नहीं थे। उनसे जब बहुत लोगों ने चुनाव लड़ने की गुजारिश की तो वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुए। वे अपनी कैंपेन में सिखों के मसलों के अलावा फरीदकोट में नशे की बढ़ती समस्या से लड़ने का वादा कर भी रहे थे। फरीदकोट के लिए कहा जाता है कि यह जिला नशाखोरी की चपेट में पूरी तरह से आ चुका है।

अमृतपाल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को आसानी से मात दे दी। यह लोकसभा सीट पंजाब में भारत–पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। उनकी गैरमौजूदगी में उनके माता–पिता उनके लिए प्रचार कर रहे थे।खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र में अमृतसर–तरन तारन–पट्टी के क्षेत्र शामिल हैं, जो जरनैल सिंह भिंडरावाले का प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है। यह सीट सिखों का गढ़ मानी जानी जाती है। अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने कार्यालयों में भिंडरावाले के पोस्टर भी लगाए थे। उन्होंने भी ड्रग संस्कृति को समाप्त करने और बंदी सिखों को रिहा कराने का वादा किया।

दरअसल, लोकसभा चुनाव 2034 के रिजल्ट में कई उलटफेर देखने को मिले। ऐसी ही जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट है। यहां राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को जेल में बंद निर्दलीय कैंडिडेट इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख से हार का सामना करना पड़ा। इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख फिलहाल उसी तिहाड़ जेल में बंद हैं, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बंद हैं। राशिद शेख को साल 2019 में एनआईए ने टेरर फंडिंग के केस में गिरफ्तार किया था। अमृतपाल की तरह से उन्होंने भी जेल में रहते हुए चुनाव लड़ा। अब सवाल यह है कि इन संदिग्ध छवि वाले उम्मीदवारों के लोकसभा में पहुंचने से क्या संदेश गया? पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के कथित असर वाले पंजाब में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह की जीत से साफ है कि इनके नेताओं को यह जवाब तो देना ही होगा कि राज्य में देश विरोधी ताकते कैसे अपने पैर जमा रही हैं? पंजाब में आप की नीतियों को लेकर तो जनता में खासा गुस्सा दिखाई दिया। राज्य की जनता आप के नेता अरविंद केजरीवाल और राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान से नाराज है। आप ने पंजाब में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। उसे उम्मीद थी कि राज्य में उसकी सरकार है, ऐसे में वह कम से कम राज्य की 13 सीटों में से 10 पर तो जीत हासिल करेगी। हालांकि, उसे तीन सीटों से ही संतोष करना पड़ा। होशियारपुर, आनंदपुर साहिब और संगरूर को छोड़कर बाकी की सभी 10 सीटों पर आप को हार का सामना करना पड़ा। आप को दिल्ली में भी मुंह की खानी पड़ी। आप ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, इसके तहत दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नई दिल्ली के तौर पर चार सीटें उसके खाते में आईं। यह सब सीटें आप हार गई। आप को 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में मभी एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। इसी प्रकार कांग्रेस भी अपनी तीनों सीटें हार गई। इसमें "टुकड़े–टुकड़े गैंग" के कन्हैया कुमार की सीट थी। यह दिल्ली में केजरीवाल और कांग्रेस की अ–लोकप्रियता को दर्शाता है।

बीजेपी के हिन्दुत्व पर भारी पड़ी सपा, कांग्रेस

–अजय कुमार–

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यूपी में खराब परफारमेंस की वजह से बीजेपी केन्द्र में अपने दम पर बहुमत का भी आकड़ा नहीं पा कर पाई। भले ही एनडीए के तौर पर उसकी सरकार बनना तय लग है, लेकिन अबकी से उसके सामने चुनौती बड़ी होगी। बीजेपी का यह सारा खेल यूपी ने बिगाड़ा है। 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद जिस तरह से अप्रत्याशित तरीके से बीजेपी आलकमान द्वारा योगी को यूपी का सीएम बनाया गया था, उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधान सभा चुनाव में मोदी के साथ योगी का भी सिक्का खूब चला। यहां कोई भी चुनाव होता मोदी आगे तो योगी उनके पीछे नजर आते थे। अपने बल पर शानदार प्रदर्शन करने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ का जादू अबकी लोकसभा चुनाव में क्यों नहीं चला यह यक्ष प्रश्न है। कहा यह भी जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के पिछड़ा– दलित– अल्पसंख्यक (पीडीए) फार्मूला ने बीजेपी के हिन्दुत्व को हासिये पर ढकेल दिया। जबकि जमीनी हकीकत यही है कि यूपी की सियासी पिच पर भले योगी मात खा गये हों, लेकिन उनकी सरकार के कामकाज को लेकर किसी को कोई खास नाराजगी नहीं है। आज भी प्रदेश में लॉ एंड आर्डर के कारण उनकी छवि काफी बड़ी दिखती है। विकास के कार्य भी ठीकठाक चल रहे थे, ऐसे में यही कहा जा सकता है कि शायद योगी अपनी बात को मतदाताओं के सामने उतने सही तरीके से नहीं जैसा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव करने में सफल रहे। वहीं बसपा के वोटर को भी जब इस बात का अहसास हुआ कि बहनजी अबकी से रेस में नहीं है तो उसने भाजपा की जगह समाजवादी पार्टी का साथ ज्यादा पसंद किया, यह भी बीजेपी के लिये माइनस प्वाइंट रहा। इसकी वजह भी साफ है। दलित और उसके साथ पिछड़ों को भी इस बात का विश्वास हो गया था कि यदि मोदी मजबूत हुए तो उनका आरक्षण खत्म हो जायेगा।

बहरहाल, योगी की भविष्य की राजनीति पर लोकसभा चुनाव के नतीजे का प्रभाव पड़ना निश्चित है। एक तरफ विपक्ष उनके खिलाफ ज्यादा हमलावर होगा तो पार्टी के भीतर से भी उनके खिलाफ आवाज उठने लगेगी। क्योंकि अक्सर ऐसी खबरें आती थीं कि योगी राज में बीजेपी के जनप्रतिनिधियों को कोई महत्व नहीं मिल रहा था और इसकी बड़ी वजह योगी को समझा जाता था। यहां तक की चौकी–थाने तक में बीजेपी नेताओं और पार्षदों की बात तो दूर विधायकों और सांसदों तक की नहीं सुनी जाती थी। यूपी में भाजपा के साथ–साथ उसके सहयोगी दलों को भी झटका लगता है। सुभासपा के बढ़ बोले नेता ओम प्रकाश राजभर अपने बेटे को चुनाव नहीं जिता पाये तो संजय निषाद की पार्टी का भी एक सीट पर खाता नहीं खुला। हॉ, राष्ट्रीय लोकदल अपनी दो और अपना दल एस की अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से चुनाव जीत गई हैं। वहीं, सुभासपा को घोसी लोकसभा सीट पर झटका लगा है। इंडिया गठबंधन प्रदेश की 80 में से 43 सीटें जीतने में सफल रहा। इसमें सपा की 37 सीटों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कांग्रेस को भी 6 सीटों पर जीत हासिल हुई, लेकिन इसका श्रेय भी अखिलेश को ही दिया जा रहा है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व में एनडीए 36 सीटों पर ही हासिल कर पाई,जिसमें भाजपा की 33 सीटें थीं। यूपी में उसके सात केन्द्रीय मंत्री चुनाव हार गये। एक सीट पर आजाद समाज पार्टी को जीत हासिल हुई।

दस वर्षो गे बाद अबकी से यूपी के वोटिंग पैटर्न में बड़ा बदलाव देखने को मिला। भाजपा बड़े स्तर पर पिछड़ी, यह तो सबने देखा, परंतु क्यों पिछड़ी इसको लेकर उसके अंदर भी दुविधा नजर आ रही है। जो बीजेपी 2019 में यूपी में 63 सीटें जीती थीं जो अबकी से वह 33 पर सिमट गई। पार्टी को 30 से सीटों का का नुकसान एठाना पड़ा। वहीं, कांग्रेस का आकड़ा एक से छह पर पहुंच गया है। 2009 के लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार कांग्रेस ने प्रदेश में बढ़त बनाई है। वहीं, समाजवादी पार्टी अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने में कामयाब रही है। 1992 में समाजवादी पार्टी के गठन के बाद से अब तक का यह उसका सबसे शानदार प्रदर्शन था। इतना बेहतर प्रदर्शन तो किसी भी लोकसभा चुनाव में स्वयं मुलायम सिंह यादव तक नहीं कर पाये थे। इससे पूर्व 2004 में सपा ने 35 सीटें जीती थीं। इससे यही लगता है कि इंडिया गठबंधन अपनी रणनीति बेहतर तरीके से जमीन पर उतरने में सफल रही। वहीं, भाजपा के पक्ष में माहौल बनता नहीं दिख पाया। ऐसे में भाजपा प्रदेश नेतृत्व में बदलाव की रणनीति पर काम कर सकता है। इस पर चर्चा शुरू हो गई है, लेकिन यह चर्चा हवा–हवाई ज्यादा लगती है।

यह वह चर्चा है जिसे आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने सबसे पहले हवा दी थी। उन्होंने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में सत्ता परिवर्तन होगा। योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद से हटाए जाएंगे। लखनऊ में इंडिया गठबंधन के प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरविंद केजरीवाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर बड़ा दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली आए थे। उन्होंने मुझे गालियां दीं। योगी जी, मैं आपसे विनम्रता से कहना चाहता हूं कि आपके असली दुश्मन आपकी ही पार्टी में हैं। भाजपा में अपने दुश्मनों से लड़िए। आप केजरीवाल को गाली क्यों दे रहे हैं? अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आपको हटाना चाहते हैं। आपको यूपी के सीएम की कुर्सी से हटाने की पूरी तैयारी चल रही है। आप उनसे निपटिए। केजरीवाल ने लोगों से कहा था कि इंडिया को बचाना है तो इंडिया गठबंधन को जिताना है।

खैर, योगी से इत्तर बात बसपा की भी जरूरी है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती की पार्टी की कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है। बसपा को किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली। यूपी में बसपा की सुप्रीमों मायावती को दलितों की एकमात्र राजनीतिक मसीहा माना जाता रहा है। उनके इशारे पर दलितों का वोट पड़ता रहा है। मगर इस बार हालात इसके कुछ अलग दिखाई दिया। कभी मायावती के एक इशारे पर यूपी का 17 फीसदी दलित वोट बैंक वोटिंग के लिए तत्पर रहता था। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बसपा के टिकट को हासिल करने के लिए उम्मीदवारों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। कई बार तो मायावती पर टिकट को बेचने के आरोप भी लगे। मगर इसके बावजूद बसपा के कोर वोट बैंक को कोई खास असर नहीं पड़ा। फिलहाल इस बार के नतीजों से कुछ अलग ही हालात सामने आ रहे हैं। इस बार मायावती का वोट बैंक उनके साथ नहीं रहा है। इस बार दलित वर्ग के पढ़े–लिखे नौजवानों का एक तबका इस बात से पूरी तरह सहमत था कि बीजेपी को हराने के लिए बसपा को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा होना चाहिए था. जब ऐसा नहीं हुआ तो इन लोगों ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में वोट देने का फैसला किया. इससे उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को ऐसी सफलता मिली है, जिसकी उनको उम्मीद भी नहीं थी। इस तरह देखा जाए तो मायावती की राजनीतिक पकड़ फिलहाल अपने कोर वोट बैंक पर कमजोर होती दिख रही है।

आमतौर पर बीएसपी को विपक्ष भाजपा की बी टीम कहकर टार्गेट करता रहा है पर कहानी कुछ और ही चल रही थी। पश्चिम से पूरब तक मायावती ने ऐसे कैंडिडेट खड़े किए जो एनडीए कैंडिडेट्स को ही नुकसान पहुंचा रहे थे। पश्चिमी यूपी में मेरठ में देवव्रत त्यागी, मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति, खीरी सीट से बीएसपी का पंजाबी प्रत्याशी आदि बीजेपी को सीधे नुकसान पहुंचा रहे थे। इसी तरह पूर्वी यूपी में घोसी में बीएसपी ने जो कैंडिडेट दिया। वह सीधा इशारा था कि पार्टी ने एनडीए का काम खराब करने का ठेका ले लिया है। घोसी सीट पर बालकृष्ण चौहान ने एनडीए की 2 साल पुरानी तैयारी को ही पलीता लगा दिया।

भगोड़ा घोषित पूर्व मंत्री अमरमणि की लखनऊ में 1.18 करोड़ की संपत्ति कुर्क

लखनऊ (आभा)। बहुचर्चित राहुल मद्देशिया अपहरण कांड के 23 साल पुराने मामले में भगोड़ा घोषित पूर्वमंत्री अमरमणि की लखनऊ में स्थित 1.18 करोड़ की संपत्ति पुलिस ने गुरुवार को कुर्क कर ताला लगा दिया। इसकी आख्या शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने अदालत में पेश की। विशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए/ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने अपहरण मामले की सुनवाई करते हुए अपने आदेश कहा कि अमरमणि की महराजगंज और लखनऊ में चिह्नित दो संपत्तियों की कुर्की के बाद शेष प्रॉपर्टी भी कुर्क कर कुर्की कुलिंदा रिपोर्ट अगली सुनवाई की तारीख 21 जून तक प्रस्तुत करें।

मामले की विवेचना कर रहे शहर कोतवाल विजय कुमार दुबे की ओर से एमपी–एमएलए कोर्ट में प्रार्थना–पत्र दिया गया कि अमरमणि के महराजगंज जिले के नौतनवा में स्थित मकान नं. 81 बी को 13 अप्रैल 2024 को कुर्क किया गया। वहीं विक्रांत खंड गोमतीनगर लखनऊ स्थित भूखंड ए–3६ 297 की एक करोड़ 18 लाख 80 हजार की प्रॉपर्टी को कोतवाली के निरीक्षक कृपाशंकर मौर्य, एसआई राजेश यादव की टीम ने कमिश्नेरट लखनऊ के मजिस्ट्रेट और रिसीवर की मौजूदगी में कुर्क कर दिया गया। शेष संपत्ति का पता लगाने के लिए विकास प्राधिकरण गोरखपुर, नगर आयुक्त नगर निगम व सदर एसडीएम को पत्र लिखकर जानकारी मांगी गई है। फिलहाल अदालत के आदेश पर 21 जून तक शेष बची संपत्तियों को पता कर पुलिस को उसकी कुर्की करनी होगी।

अवैध तरीके से संपत्ति जुटाने पर हिस्ट्रीशीटर के दो मंजिला मकान पर शुक्रवार को कुर्की की कार्रवाई की गई। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर अधिकारियों ने पुलिस बल की मौजूदगी में मुनादी करा कुर्की के आदेश को मकान में चस्पा किया है। हिस्ट्रीशीटर की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जिला न्यायायल के द्वारा दिए गए हैं। एसडीएम सदर जितेंद्र कुमार और सिओ सिटी दीपक दुबे ने पुलिस बल के साथ कबरई थाना के मकरबई गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर चेतराम पाल उर्फ चेतू पाल के भटीपुरा स्थित मकान पर कुर्क की कार्रवाई की है। हिस्ट्रीशीटर के द्वारा अवैध कमाई से यह मकान अपनी पत्नी गेंदारानी के नाम से तैयार कराया गया है। संपत्ति की कीमत 17 लाख 2 हजार रुपये आंकी गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने बुलाया सभी मंत्रियों की बैठक

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन में आ गए हैं। चार जून को लोकसभा का रिजल्ट आते ही पांच जून को नियुक्तियों को लेकर अफसरों को निर्देश दिया था। अगले दो दिन दिल्ली में आयोजित बीजेपी संसदीय दल और एनडीए की बैठक में शामिल हुए। अब शनिवार को यूपी के सभी मंत्रियों की बड़ी बैठक बुलाई है। बैठक का एजेंडा अभी सामने नहीं आया है लेकिन माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मिली निराशाजनक सीटों को लेकर मंत्रियों से चर्चा की जाएगी। हार की समीक्षा के साथ ही सरकार की प्राथमिकता वाले कार्यों को तेजी से करने पर बात होगी।

सरकार की प्राथमिकता अब लोकसभा चुनाव की हारी सीटों पर जल्द से जल्द लोगों में दोबारा भाजपा के प्रति विश्वास जगाना है। कई सांसदों ने हार के लिए विधायकों और संगठन के लोगों पर भितरघात करने और सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। खासकर केंद्रीय मंत्रियों ने विधायकों पर सीधे निशाना साधा है। देश में भाजपा को सबसे बड़ा झटका यूपी में ही लगा है। यहां पिछली बार सपा–बसपा के गठबंधन के बाद भी भाजपा 63 सीटें जीतने में कामयाब हो गई थी। इस बार उसे केवल 33 सीटें ही मिली हैं।

पांच सीटों पर सिमटने वाली सपा और केवल एक सीट पाने वाली कांग्रेस ने आश्चर्यजनक रूप से क्रमशः 37 और छह सीटें जीत ली हैं। यूपी के आठ विधायक भी अब सांसद बन गए हैं।

सपा विधायक इरफान सोलंकी को 7 साल की सजा

कानपुर (आभा)। कानपुर के सपा विधायक इरफान सोलंकी को शुक्रवार को तगड़ा झटका लगा है। कानपुर की एमपीएमएलए कोर्ट ने इरफान सोलंकी को आगजनी के मामले में सात साल की सजा सुनाई है। इरफान के साथ ही उनके भाई रिजवान समेत पांच लोगों को अदालत ने दोषी माना था। सभी छह दोषियों पर 20–20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। महाराजगंज जेल में बंद इरफान सोलंकी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। सजा के साथ ही इरफान की विधानसभा सदस्यता जाना तय हो गया है। इरफान कानपुर की सीसामऊ सीट से विधायक हैं। इरफान की सीट खाली होने के साथ ही यूपी की नौ सीटों पर उपचुनाव तय हो गया है। आठ सीटों के विधायक लोकसभा चुनाव में सासंद बन चुके हैं। फैसला आने के बाद इरफान के वकील ने कहा कि वह हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

जबरिया घर में घुस गये लोगः एसपी से लगाया न्यायकी गुहारः मुण्डेरवा पुलिस पर मनमानी का आरोप

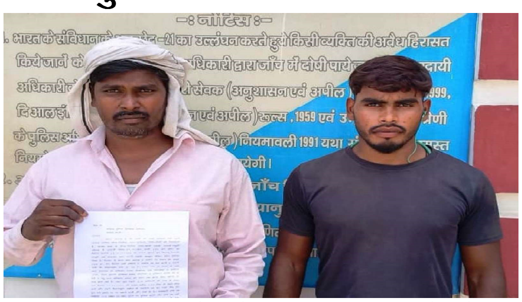

संवाददाता–बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के सिरौता गांव में घर को जबरिया कब्जा कर लेने का मामला सामने आया है। गांव के गोपाल पुत्र सुक्खू ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में गोपाल ने कहा है कि उसने अपनी पत्नी सावित्री देवी के नाम से सिरौता गांव में चन्दन कुमार पुत्र झिनकू से घर बैनामा कराया था और घर में रह रहे थे। गांव के निकट बांसगांव के अम्बिका प्रसाद पुत्र जगन्नाथ, धर्मराज, अजय, पंकज पुत्रगण अम्बिका प्रसाद चौरसिया उनकी दो बेटी व बहू, भांजा आदि लगभग 5, 6 बाहरी अज्ञात व्यक्तियों के साथ गत 6 जून को जबरिया बैनामा शुदा मकान में घर का ताला तोड़कर घुस गये । उनकी पत्नी ने 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दिया, पुलिस आयी और थाने पर उल्टे उन्ही लोगों को ले गयी। इस दौरान अम्बिका आदि लोग घरा में रखा चावल, गेहूं, सरसो, लहसुन आदि सामान उठाकर ले गये। थाने पर उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई और शाम तक उन्हें मुण्डेरवा थाने पर रोके रखा गया। पुलिस जबरिया सुलह के लिये दबाव बनाती रही।

गोपाल ने पुलिस अधीक्षक से मांग किया है कि उनके घर में जबरिया घुस आये लोगों को बाहर निकाला जाय और दोषियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाय।

महिला अधिकारी से बदसलूकी करने वाला लिपिक निलम्बितः डीएम ने गठित किया जांच कमेटी

संवाददाता–बस्ती। जिले की एक महिला अधिकारी से उसके ही विभाग के एक लिपिक द्वारा बदसलूकी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने आरोपित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है। जिले में एक विभाग में कार्यरत महिला अधिकारी ने डीएम को दिए गए शिकायती पत्र में लिपिक देवेंद्र सिंह पर बदसलूकी का आरोप लगाया है। घटना 21 मई की बताई जा रही है। शिकायती–पत्र को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने तत्काल मामले की जांच कराई। प्रारंभिक जांच में लिपिक पर बदसलूकी करने का लगा आरोप सही पाया गया। डीएम ने जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया। कमेटी में तीन महिला अधिकारियों को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि चुनावी व्यस्तता के चलते कमेटी की रिपोर्ट अभी तक डीएम को नहीं मिली है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कर्मचारी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा सकती है। इस घटना को लेकर विकास भवन में कर्मचारियों के बीच तरह–तरह की चर्चाओ का बाजार शुक्रवार को भी गर्म रहा।

सरदार सेना ने किया सोशल मीडिया पर गाली देने वाले के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

संवाददाता–बस्ती। सोशल मीडिया पर उत्कर्ष मिश्र द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, नव निर्वाचित सांसद राम प्रसाद चौधरी के विरूद्ध अपमानजनक गालियां दिये जाने से सरदार सेना में रोष है। शुक्रवार को सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल के नेतृत्व में सरदार सेना के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर फेस बुक पर अपमानजनक गालियां देने वाले उत्कर्ष मिश्र के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किये जाने की मांग किया। सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि अति शीघ्र गिरफ्तारी कराया जायेगा। बताया कि सरदार सेना द्वारा जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन देने वालों में महिपल पटेल, सर्वेश चौधरी, विवेक चौधरी, अभिषेक चौधरी, रमेश चन्द्र भारती, अशोक चौधरी, हेमन्त चौधरी, आलोक चौधरी, विशाल चौधरी, संदीप निषाद, आलोक कुमार वर्मा, रवि चौधरी, शिवेन्द्र चौधरी, शिवपूजन चौधरी, राजेश कुमार चौधरी, अक्षय यादव, अनिल चौधरी, करन चौधरी, दूधनाथ पटेल, सुनील कुमार, प्रमोद चौधरी, दिव्यांश यादव, के साथ ही सरदार सेना के अनेक पदाधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

कांग्रेस में शामिल हुये

संवाददाता–बस्ती। कांग्रेस पार्टी की नीतियों और 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से प्रभावित होकर उमेश वर्मा और नीतिश चौधरी ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने दोनो युवकों को फटका पहनाकर उन्हे पार्टी में शामिल किया। उन्होने कहा राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा तथा कांग्रेस की 5 गारण्टियों का असर लोकसभा चुनाव में दिखाई दिया। जिलाध्यक्ष ने पार्टी में शामिल नये सदस्यों को बधाइयां देते हुये पार्टी को मजबूत करने में यथाशक्ति योगदान देने को कहा। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, डी.एन. शास्त्री, लक्ष्मी यादव, अलीम अख्तर, प्रशान्त वर्मा, विजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

गठबंधन सरकार गठन से पहले उठी अग्निवीर योजना में बदलाव की मांग

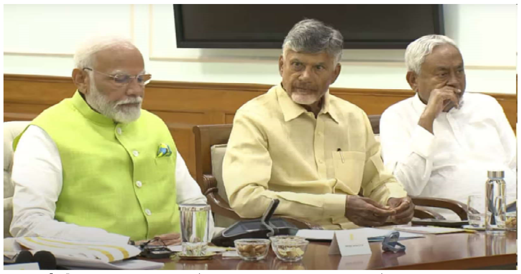

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। इसके चलते नरेंद्र मोदी को अब नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की पार्टियों के समर्थन से सरकार चलानी पड़ेगी। अब तक सरकार गठन को लेकर कोई रूपरेखा तय नहीं हुई है, लेकिन नीतीश कुमार की पार्टी ने पहले ही तीर चल दिया है। जेडीयू के प्रवक्ता केसी त्यागी ने गुरुवार को सेना में जवानों की भर्ती के लिए बनी अग्निवीर योजना में बदलाव की मांग कर दी। उन्होंने कहा, 'अग्निवीर स्कीम का बहुत विरोध हुआ था और चुनाव में भी इसका असर देखने को मिला था। इसलिए अग्निवीर स्कीम पर दोबारा सोचने की जरूरत है।'

केसी त्यागी ने 'आज तक' से बातचीत में कहा कि यह स्कीम जब आई थी, तब लोगों ने काफी विरोध किया था। सेना में तैनात लोगों के परिवार के लोग भी इससे नाराज थे। इसलिए इसमें बदलाव हो जाना चाहिए। वहीं समान नागरिक संहिता के मसले पर पूछा गया तो नीतीश कुमार की पार्टी ने कहा कि हम इसके समर्थन में हैं। लेकिन इसे लेकर हमारी मांग है कि सभी संबंधित पक्षों की इसमें राय ली जाए। इसके बाद ही कोई फैसला लेना चाहिए। केसी त्यागी ने कहा कि यही स्टैंड हमारा पहले भी था और आज भी हम इस बात पर कायम हैं।

वहीं एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर समर्थन की बात भी कही। जेडीयू ने कहा कि हम इस मसले पर पहले भी साथ थे। गौरतलब है कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में 240 सीटें मिली हैं, जबकि जेडीयू को 12 पर विजय हासिल हुई है। आंध्र प्रदेश की टीडीपी को 16 सीटें हासिल हुई हैं। इन दोनों दलों के सहारे ही अब भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है। खबर है कि नरेंद्र मोदी 8 या फिर 9 जून को पीएम पद की शपथ ले सकते हैं। सरकार गठन को लेकर दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं की मीटिंग भी चल रही है।

जबकि दूसरी ओर तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में गुरुवार को विजयवाड़ा में पार्टी के नवनिर्वाचित संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से केंद्र में बनने वाली नई सरकार में पार्टी नेताओं के लिए पांच कैबिनेट मंत्री पद और अपनी सहयोगी जन सेना के लिए दो पद देने का अनुरोध करने का फैसला किया गया है। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी।

गर्मी से जन, पशु हानि पर मिलेगी सहायता

संवाददाता–बस्ती । वर्तमान समय में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने के कारण भीषण गर्मी, गर्म हवा, लू व तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी वि./रा. कमलेश चन्द्र ने बताया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मैदानी क्षेत्रों में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान को अधिकतम तापमान माना है।

उन्होने जनपद के समस्त तहसीलों के उपजिलाधिकारी को निर्देशित किया है कि उनके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत कोई जनहानि या पशुहानि हीटवेव के कारण हो रही है, तो उस दशा में मृतक का पोस्टमार्टम अनिवार्य रूप से करायें, जिससे कि मृत्यु के कारण की पुष्टि हों सकें और यदि प्रभावित व्यक्ति की मृत्यु हीटवेव से होना प्रदर्शित होता है, तो आपदा मोचक निधि गाईडलाइन के अनुसार तत्काल अहैतुक सहायता दिया जाना सुनिश्चित करें

बिजली चोरी का रिपोर्ट न दर्ज करने के लिए जेई ने मांगे 16 हजार, एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

संवाददाता–गोण्डा। जिले के खरगुपुर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात जेई अभियंता संतोष कुमार सिंह ने बिजली चेकिंग के दौरान शिवगढ़ गोपाल पर के रहने वाले राम दत्त को बिजली चोरी के मामले में पकड़ा था। बिजली विभाग की टीम उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कह रही थी। जब रामदत्त ने रिपोर्ट न दर्ज कराने का अनुरोध किया तो और अभियंता और उनकी टीम ने 16 हजार रुपए घुस मांगा। विद्युत उपभोक्ता रामदत्त ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से किया। शिकायत का संज्ञान लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने बृहस्पतिवार को जाल बिछाया। टीम के बताने के मुताबिक रामदत्त ने रिश्वत की धनराशि देने के लिए जेई को इटहिया नबीजोत चौराहे के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर के सामने बुलाया। जैसे ही जेई संतोष कुमार सिंह संविदा लाइनमैन धर्मेंद्र कुमार और सुनील वर्मा के साथ मौके पर पहुंचे और रामदत्त से रिश्वत की रकम ली। उसी समय एंटी करप्शन की टीम ने उन्हें रंगे हाथ दबोच लिया। इस संबंध में इटियाथोक थाने के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह ने बताया कि जेई सहित दोनों संविदा कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

गाय को घोंपा बल्लम, क्रूरता से की हत्या, दर्ज हुआ मुकदमा

संवाददाता–गोरखापुर। हिसामुद्दीनपुर पूरे भीमाताली गांव की निवासी ज्ञान देवी पत्नी दुर्गा प्रसाद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि बुधवार को उनकी गाय खूंटे से खुलकर भाग गई थी। वह गाय को पकड़ने के लिए उसके पीछे–पीछे चल रही थीं। गाय भागते–भागते पड़ोसी गांव घाटमपुर के नीरज पुत्र तिलक राम के खेत के मेड़ तक पहुंची। नीरज ने उसे दौड़ा कर मारते रहे, जिसके परिणामस्वरूप गाय गिरकर मर गई। ज्ञान देवी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी नीरज के खिलाफ धारा 429 आईपीसी एवं 11 (घ) पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। गौ हत्या को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी शिक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हुआ है, लेकिन उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम सक्रिय है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृत गाय के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में गाय के गुप्तांग और शरीर पर कई जगहों पर वार किए जाने के निशान दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस मुकदमा दर्ज करने के बजाय पहले गाय को दफनाने के लिए आई थी, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के बाद उन्होंने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू की। इस घटना ने गांव में आक्रोश की लहर फैला दी है और न्याय की मांग जोर पकड़ रही है।

'अभिव्यक्ति' की तीसरी गोष्ठी- कांटो से सम्बन्ध निभाने पड़ते हैं

संवाददाता–गोरखापुर। 'अभिव्यक्ति' साहित्यिक– सांस्कृतिक संस्था की तीसरी गोष्ठी संस्था के मुख्यालय 90, प्रतापनगर टीचर्स कालोनी चिलमापुर रुस्तमपुर गोरखपुर में नियत तिथि पर सकुशल सम्पन्न हुई ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि नर्वदेश्वर सिंह मास्टर साहब ने और संचालन शशिबिन्दु नारायण मिश्र ने किया। वाग्देवी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् कवि बृजेश राय ने मधुर स्वर में स्वरचित सरस्वती वंदना पढ़ी। उसके बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वयोवृद्ध कवि वागीश्वरी मिश्र श्वागीशश की भोजपुरी रचनाओं पर भाषाविद एवं समीक्षक प्रोफेसर रामदरश राय द्वारा भोजपुरी में लिखित समीक्षा का बृजेश राय द्वारा कुशलतापूर्वक वाचन किया गया। प्रोफेसर राय ने वागीश्वरी मिश्र 'वागीश' के बारे में लिखा कि –'वागीश जी नया कवि नाहीं बाटें। अनुभव सिद्ध आ वाणीऋद्ध प्रौढ़ सयान कवि हवें। .... वाकई, वागीश्वरी मिश्र 'वागीश' में बेबाक काव्य हुनर बो। भोजपुरी भाषा आ अभिव्यक्ति विन्यास के दुर्लभ कला–विवेक भी बो।'

उपस्थित सभी रचनाकारों ने अद्भुत और स्तरीय रचनाओं का पाठ किया। समीक्षा पाठ के बाद गोरखपुर में काव्य क्षेत्र की एकदम नयी पौध वरांगदेव मिश्र ने कविता पढ़ी –

'न खाने को खाना, न खेलने को खिलौना।

न पढ़ने को किताब,न रहने का ठिकाना।

न दिल में उम्मीद,न दिमाग में तकलीफ।

फिर भी जी रहा है गरीब।'

नये तेवर के कवि यशस्वी यशवन्त ने –'हिम्मत के गीत सुना के, आँख में तोहरा पानी बो।' गीत सुनाकर काव्यगोष्ठी की अच्छी शुरुआत की।

गीतकार रामसमुझ 'साँवरा' ने भारतीय बेटी के आदर्श पर गीत पढ़ा –'बबुनी राहे चलिहे नजरिया गड़ाइ के, ओढ़नी बचाइ के नो। तू हऊ भारत के बेटी।'

भागीरथी सांस्कृतिक मंच के सचिव बृजेश राय नायक ने प्रेम की पवित्रता को परिभाषित करती हुई उच्च कोटि की कविता पढ़ी –'प्रेम बायें हाथ का खेल नहीं, दायें हाथ का खेल है, प्रेम करने वाले लोग खपा देते हैं ताउम्र, लेकिन साँस तक नहीं लेते।'

अनुभवी एवं वरिष्ठ कवि जगदीश खेतान ने कविता पढ़ी –'काश् मेरी भी साली होती,गोरी या काली होती।' इस कविता में भ्रूणहत्या रोकने का उत्तम संदेश अच्छा लगा। खेतान ने दूसरी व्यंग्य रचना भी पढ़ी –'खूब लगवले चूना बो।'

आत्ममुग्धता और भुथरे प्रचार से दूर रहकर साहित्य साधना में लीन कवयित्री डॉ कनकलता ने शान्त रस में बहुत उच्च भावभूमि का गीत पढ़ा–'कैसे करूँ मन का श्रृंगार,....... मन का है अपना रंगमंच, रूप हजार।' कनक जैसी गीत की सहज और आकर्षक प्रस्तुति कम ही सुनने को मिलती है, इस बात को उपस्थित सभी रचनाकारों ने स्वीकार किया।

वरिष्ठ छांदस चेतना के कवि ओमप्रकाश पाण्डेय 'आचार्य जी' ने सवैया छंद में स्वरचित लंकादहन प्रसंग की कविता पढ़ी –'जो आखिरी छोर अधूरा है, नहीं कह सकता पूरा है।'

'विश्व शांति मिशन' संस्था के प्रस्तोता गीतकार–गजलकार अरुण ब्रह्मचारी ने शानदार समसामयिक गजल पढ़ी – गजल के मतले का शेर है –

'एक लफ्ज मुहब्बत की, बस इतनी कहानी है।

पत्थर का जमाना है, शीशे की जवानी है।'

अभिव्यक्ति के अध्यक्ष गीतकार जयप्रकाश नायक ने व्यवस्था का यथार्थ चित्रण करते हुए बहुत सुंदर गीत पढ़ा –– 'कत्ल में हाथ तो हमशक्ल का, इजलास में हम लाये गये।'

बारिश से मिली थोड़ी राहत

संवाददाता–बस्ती। भीषण गर्मी के बीच गुरुवार की भोर में बदले मौसम के मिजाज ने लोगों को बड़ी राहत दी। भोर करीब चार बजे घने बादल छा गए। तेज हवाएं चली और थोड़ी ही देर बाद बारिश शुरू हो गई। जिलेभर में कहीं थोड़ी देर तक मूसलाधार बारिश हुई तो कहीं हल्की बारिश ही हुई। इसके बाद सुबह करीब आठ बजे तक आसमानों में घने बादल छाए रहने से मौसम काफी सुहाना हो गया। इसके चलते तापमान का न्यूनतम पारा भी दो अंक तक लुढ़क गया। सुबह दस बजे तक हल्की धूप निकल आई।

जिले के कुछ इलाकों में अच्छी बारिश होने से खेतों में भी पानी लग गया। इसके साथ ही शहर से लगायत ग्रामीण इलाकों में जलभराव की समस्या भी बन गई। कुछ जगहों पर कीचड़ पसर जाने से आवागमन भी बाधित हुआ। तेज हवा के चलते कुछ इलाकों में विद्युत आपूर्ति भी बाधित हो गई। लेकिन इन सबके बीच भीषण गर्मी व लू से परेशान लोग बदले मौसम से काफी खुश नजर आए। दिन में धूप निकलने के साथ ही तापमान का पारा फिर से ऊपर चढ़ना शुरू हो गया।

अयोध्या की हार पचा नहीं पा रहे हैं लोग

संवाददाता–बस्ती। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर उलटफेर हुआ है। लेकिन लोगों की आस्था से जुड़े अयोध्या की फैजाबाद सीट से भाजपा को मिली हार चर्चा का विषय बन गई है। बस्ती सीट की जीत–हार की समीक्षा के साथ ही लोग अयोध्या में भाजपा की हार को लेकर अपना–अपना नजरिया बयां कर रहे हैं। अधिकतर लोग यह कहते मिल जा रहे हैं कि अयोध्या की हार खल गई।

चाय, पान की गुमटियों से लेकर समूह में बैठे लोगों की चर्चा का मुख्य केन्द्र लोकसभा चुनाव परिणाम रहा। कुछ लोग तो यह कहते मिले कि यहां से भले ही भाजपा हार गई, लेकिन अयोध्या से हारना ज्यादा खल रहा है। केन्द्र व प्रदेश की सरकार ने अयोध्या के लिए न केवल राम मंदिर का निर्माण कराया बल्कि प्राण–प्रतिष्ठा कराकर आमजन को सौंप दिया।

करोड़ों रुपये का पैकेज देकर अयोध्या का विकास करके विश्व पटल पर खड़ा किया। देश–विदेश से पर्यटकों को यहां आने के लिए एयरपोर्ट का निर्माण कराया। फिर भी राम नगरी से भाजपा प्रत्याशी का हार जाना समझ से परे है। पान की दुकान पर खड़े रामप्रकाश उपाध्याय कहते हैं कि बस्ती की जनता ने बदलाव की बात को लेकर वोट किया। चाय की दुकान पर बैठे रामसजीवन कहते हैं बसपा का न्यूटल हो जाने से भी भाजपा को नुकसान पहुंचा।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सीएम योगी ने किया समीक्षाः दिये निर्देश

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद सीएम योगी, प्रदेश अध्यक्ष समेत दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली बुलाए गए हैं। हालांकि दिल्ली जाने से पहले सीएम योगी एक्शन फॉम में नजर आए। सीएम योगी ने तुरंत प्रदेश के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मीटिंग के लिए बुला लिया। सीएम योगी ने अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर लोकहित से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। यूपी सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि इस उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति और भावी कार्ययोजनाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस दौरान सीएम योगी विकास कार्यों की जानकारी ली। सीएम योगी ने इस दौरान बरसात से निपटने की व्यवस्थाओं को भी जाना। मीटिंग में सीएम योगी ने बालू, मौरंग, गिट्टी से संबंधित भी अफसरों को जरूरी निर्देश जारी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव अपने विभाग के शीर्ष अधिकारी हैं। विभाग से जुड़ी हर व्यवस्था, हर परियोजना, प्रत्येक प्रकरण के लिए उनकी जवाबदेही है, इसलिए समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। अधिकारी विभागीय मंत्रियों के साथ बेहतर तालमेल बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि जिन विभागों में नियुक्ति की जानी हैं, वहां से सम्बन्धित आयोगों को फौरन मांग भेजी जाए तथा चयन प्रक्रिया की समय–सीमा तय की जाए। आदित्यनाथ ने कहा, वित्तीय वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में तय धनराशि का समुचित

खर्च सुनिश्चित किया जाए। जीएसटी संग्रह के प्रयासों को तेज करने की जरूरत है...क्षेत्र में तैनात अधिकारियों को लक्ष्य दें तथा उनके प्रदर्शन को ही उनकी पदोन्नति और तैनाती का आध ार बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी के मद्देनजर पूरे प्रदेश में कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं करने की हिदायत देते हुए कहा कि ट्रांसफार्मर जलने, तार गिरने और 'ट्रिपिंग' जैसी समस्याओं का तुरंत निस्तारण किया जाए। मीटिंग में सीएम योगी ने बरसात से निपटने के लिए अफसरों से प्लान बनाने को कहा। साथ ही नालों की सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलिन बस्तियों में साफ–सफाई की अत्यधिक आवश्यकता है। नियमित 'फॉगिंग' कराने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, बरसात के मौसम में संचारी रोगों के प्रसार की सर्वाधिक आशंका होती है, इसके मद्देनजर समय से पूरी तैयारी कर लें। चिकित्सकों के साथ–साथ आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का भी पूरा सहयोग लें। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के भी प्रयास हों। आदित्यनाथ ने बालू, मौरंग और गिट्टी जैसे उपखनिजों का कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने एक जिला–एक मेडिकल कॉलेज अभियान के तहत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और परियोजना की समयबद्धता सुनिश्चित कराने और उसकी साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि प्राचार्यों और अन्य स्टाफ के चयन में केवल योग्यता को ही मानक बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर स्थिति में यह सुनिश्चित किया जाए कि गन्ना पेराई का नया सत्र प्रारंभ होने से पहले पिछले सत्र के सारे बकाए का भुगतान हो जाए। उन्होंने कहा कि गन्ना उन्हीं मिलों को उपलब्ध कराया जाए, जिनका भुगतान रिकॉर्ड अच्छा हो। आदित्यनाथ ने माध्यमिक विद्यालयों के कायाकल्प का अभियान तेज करने को भी कहा। उन्होंने अमृतसर–कोलकाता औद्योगिक गलियारे का जिक्र करते हुए कहा कि इस परियोजना के लिए भूमि की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, आईटीआई समेत सभी शैक्षिक संस्थानों में शैक्षिक कैलेंडर इस प्रकार तैयार किए जाएं जिससे सभी आवश्यक परीक्षाएं 10 मई तक सम्पन्न हो जाएं। उन्होंने भीषण गर्मी में परीक्षाओं के आयोजन से परहेज करने को कहा।

संसद परिसर के भीतर गांधी, अंबेडकर, छत्रपति शिवाजी की मूर्तियों को मूल स्थान से हटाये जाने पर रोष

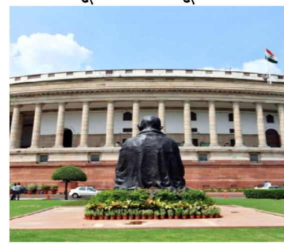

नई दिल्ली (आभा)। संसद परिसर के भीतर महात्मा गांधी, बी आर अंबेडकर और छत्रपति शिवाजी सहित अन्य की मूर्तियों को ट्रांसफर किए जाने को लेकर बवाल मचा है। इस कदम को लेकर कांग्रेस ने तीखी आलोचना की। आदिवासी नेता बिरसा मुंडा और महाराणा प्रताप की मूर्तियों को भी पुराने संसद भवन और संसद पुस्तकालय के बीच एक लॉन में ट्रांसफर कर दिया गया है। भूनिर्माण के दौरान मूर्तियों को ट्रांसफर किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्तियों को संसद भवन के सामने उनके प्रमुख स्थानों से हटा दिया गया है। यह अत्याचारपूर्ण है।'

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि जब महाराष्ट्र के मतदाताओं ने बीजेपी को वोट नहीं दिया तो संसद में शिवाजी और अंबेडकर की मूर्तियां उनके मूल स्थान से हटा दी गईं। उन्होंने कहा, जब उन्हें गुजरात में क्लीन स्वीप नहीं मिला तो उन्होंने संसद में महात्मा गांधी की मूर्ति को उसके मूल स्थान से हटा दिया। खेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'जरा सोचो, अगर उन्हें 400 सीटें दी जातीं, तो क्या वे संविधान को बख्श देते?'

कुर्मी महासभा ने सांसद चुने जाने पर राम प्रसाद चौधरी को दिया बधाई

संवाददाता—बस्ती। बुधवार को भारतीय कुर्मी महासभा के अध्यक्ष डा. बी0के0 वर्मा के साथ पदाधिकारियों और सदस्यों ने बस्ती लोकसभा से नव निर्वाचित सांसद राम प्रसाद चौधरी से उनके निजी आवास पर मुलाकात कर बुके देकर जीत की प्रसन्नता व्यक्त किया।

सांसद राम प्रसाद चौधरी ने भारतीय कुर्मी महासभा पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि जितना संभव हो सकेगा वे क्षेत्र के विकास के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। सांसद राम प्रसाद चौधरी की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में कुर्मी महासभा के मंडल अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ0 हनुमान प्रसाद चौधरी, जिला महासचिव के0 सी0 चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष अशोक वर्मा , अशोक कुमार चौधरी, रामतेज चौधरी आदि शामिल रहे।

शेयर बाजार के सबसे बड़े घोटाले में मोदी, शाह शामिल –राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि शेयर बाजार पर सरकार की ओर से की गई टिप्पणी से लाखों खुदरा निवेशकों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। इसकी संसदीय समिति से जांच कराई जानी चाहिए। राहुल ने कहा, 'हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री ने, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक मार्केट पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो–तीन चार बार देश को कहा कि स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहा।'

अमित शाह कहते हैं कि 4 जून से पहले शेयर खरीदें। मोदी कहते हैं कि चार जून को स्टॉक खरीदें। 1 जून को मीडिया झूठे एग्जिट पोल निकालती है। भाजपा को जो आंतरिक एग्जिट पोल था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। आंतरिक एजेंसियों ने सरकार को 220 से 230 सीटों के मिलने के बारे में बताया था। स्टॉक मार्केट तीन

जून को सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को धड़ाम हो जाता है। राहुल ने कहा, 'ये दिखाता है कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों करोड़ रुपये यहां निवेश हुए। स्टॉक मार्केट गिरने के बाद 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ये जो आप देख रहे हैं वह स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान है।'

राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया? दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अदाणी जी के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए। मोदीजी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए। इसे लेकर हमारे पास सवाल हैं। हम इस घोटाले को लेकर जेपीसी की मांग करते हैं। इस पूरे मामले में निवेशकों ने करोड़ों गंवाए हैं। यह एक आपराधि ाक कार्य था।

रायबरेली व वायनाड से विजयी सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'पहली बार हमने यह नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी दी। प्रधानमंत्री ने दो–चार बार कहा कि शेयर बाजार तेजी से बढ़ने जा रही है... उनके मैसेज को वित्त मंत्री और गृह मंत्री ने भी आगे बढ़ाया। अमित शाह कहते हैं 4 चार जून से पहले शेयर खरीदें। प्रधानमंत्री ने भी यही कहा और 28 मई को फिर से दोहराया... 3 जून को शेयर बाजार सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को शेयर बाजार नीचे चला जाता है।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'भाजपा के सबसे बड़े नेताओं ने रिटेल इंवेस्टर को मैसेज दिया है... उनके पास जानकारी थी कि भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने वाला है, वे जानते थे की 3–4 जून को क्या होने वाला है... 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है और हजारों–लाखों करोड़ रुपए का चुने हुए लोगों को फायदा हुआ है, हम प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, जिन्होंने एग्जिट पोल किया उनपर और विदेशी निवेशकों पर जांच चाहते हैं।'

घर में पोछा लगाते समय युवती को लगा करंट

संवाददाता—श्रावस्ती। पोछा लगाते समय एक युवती करंट की चपेट में आ गई। गंभीर हालत में युवती को सीएचसी में भर्ती कराया गया। गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम घोरमा कालोनी निवासी पिंकी देवी (20) पुत्री राकेश कुमार गुरुवार को घर में पोछा लगा रही थी। इस दौरान फर्श पर बिजली का तार कटा पड़ा था। पोछा लगाते समय पिंकी करंट की चपेट में आ गई। चिल्लाने पर परिजन मौके पर पहुंचे और फर्श से तार को अलग किया। इसके बाद पिंकी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिलौला में भर्ती कराया गया। जहां स्थिति ठीक बताई जा रही है।

महिला सीआईएसएफ कर्मी ने कंगना रनौत को जड़ दिया थप्पड़

चंडीगढ़ (आभा)। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को एक महिला सीआईएसएफ कर्मी ने थप्पड़ जड़ दिया। महिला कंगना रनौत के किसान आंदोलन के समय दिए गए बयान से नाराज थी। उन्होंने बताया कि उनकी मां भी किसान आंदोलन के दौरान विरोध प्रदर्शन के लिए बैठी थीं। कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के बाद ब्ै कर्मी कुलविंदर कौर ने कहा, श्उन्होंने बयान दिया था कि किसान 100 रुपये के लिए वहां बैठे हैं। क्या वह वहां जाकर बैठेंगी? मेरी मां वहां बैठी थीं और विरोध कर रही थीं जब उन्होंने यह बयान दिया।' वहीं, कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के बाद कुलविंदर कौर को सस्पेंड कर दिया गया है।

एक सीनियर सीआईएसएफ अधिकारी ने मामले पर बात करते हुए कहा कि महिला कॉन्स्टेबल के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत करते हुए एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इसके साथ ही उन्हें सस्पेंड भी कर दिया गया है। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना के विमान में सवार होने से पहले हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ कर्मी ने एक्ट्रेस को थप्पड़ मारा। कंगना ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली–गलौज की। कंगना ने 'पंजाब में आतंक और हिंसा में हैरान करने वाली वृद्धि' शीर्षक से एक वीडियो बयान पोस्ट किया।

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं। कंगना ने दिल्ली पहुंचने के बाद बयान जारी कर कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई। कंगना ने कहा, 'उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी।' उन्होंने कहा, 'जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है।' हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने वाली कंगना ने कांग्रेस के प्रत्याशी को 74 हजार मतों से शिकस्त दी थी।

शिक्षक, शिक्षा मित्रों के वेतन, मानदेय बहाली के लिये सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि चुनाव डियूटी के दौरान विषम परिस्थितियों में अनुपस्थित रहने वाले 96 शिक्षक और शिक्षा मित्रों के वेतन और मानदेय को बहाल किया जाय। इसी क्रम में सोनहा थाना क्षेत्र के खैरा टोला मधुनगर निवासी सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय जिनकी ईवीएम जमा कराते समय तबियत बिगड़ने से मौत हो गई थी उनके परिजनों को शासन द्वारा निर्धारित समस्त देयकों को भुगतान कराया जाय। मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया कि शिक्षक और शिक्षा मित्रों के वेतन और मानदेय को स्पष्टीकरण के आधार पर बहाल करा दिया जायेगा।

संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों ने सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय के परिजनों को समस्त देयकों के भुगतान हेतु डीएम से मिलकर ज्ञापन दिया था। अभी इस दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पायी है। संघ कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि संगठन और शिक्षकों की ओर से चुनाव डियूटी के दौरान जान गंवाने वाले सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय की पत्नी को एक लाख 10 हजार रूपये की राशि उपलब्ध कराया गया है। दुःखी परिवार को जब तक समस्त सुविधा नहीं मिल जाती संघ निरन्तर सक्रिय रहेगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव, सुधीर तिवारी, के साथ ही संजय यादव, सुरेश गौड़, मुरलीधर, अखिलेश पाण्डेय, आशीष दूबे, अमित सिंह, सनद पटेल, सन्तोष पाण्डेय, विवेक प्रताप सिंह के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

अपनी जमीन से मांस काटने का जताया विरोध, मनबढ़ों ने दौड़ाकर लाठी–डंडों से पीटा, वीडियो वायरल

संवाददाता—देवरिया। भटनी क्षेत्र के खोरीबारी रामपुर चौराहे पर अपनी जमीन से मुर्गा की दुकान हटाने और मांस काटने के विरोध पर बृहस्पतिवार को मनबढ़ों ने पीड़ित व उसके परिजनों को लाठी डंडे से दौड़ाकर पीटा। लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मौके से जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। जानकारी पर पहुंची पुलिस घायलों को सीएचसी ले आई जहां उनका इलाज कराया गया। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में एक समुदाय के लोगों में आरोपियों के प्रति खासा नाराजगी व्याप्त है। एहतियातन खोरीबारी रामपुर चौराहे पर पुलिस की टीम सक्रिय है।

भटनी के खोरीबारी गांव निवासी बनारसी गोंड़ की खोरीबारी–रामपुर चौराहे पर जमीन है। खाली जमीन देख क्षेत्र के ही एक परिवार के लोग वहां मुर्गा की दुकान और मांस काटकर बेचते है। बृहस्पतिवार सुबह करीब दस बजे बनारसी गोंड़ ने अपनी जमीन से मुर्गा की दुकान हटाने और मांस काटने से मना किया। इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। इसी दौरान आरोपियों ने गोलबंद होकर पीड़ित को लाठी डंडों से पीटने लगे। जानकारी पर बीच–बचाव करने पहुंचे परिजनों को भी आरोपियों ने चौराहे पर दौड़ाकर पिटाई कर दी, जिससे चौराहे पर अफरा–तफरी का माहौल हो गया। दुकानदारों के बीचबचाव करने पर आरोपी देख लेने की बात कहते हुए चले गए। शिकायत पर पहुंची पुलिस तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच में जुट गई। इसी बीच मौके पर मौजूद किसी दुकानदार ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो वायरल होने के बाद एक समुदाय में इस घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। सीओ शिव प्रताप सिंह ने बताया कि मारपीट के तीन करोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है। एसओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि किसी के मर्जी के बिना उसकी जमीन पर दुकान चलाना गलत है। मारपीट करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ताल में होगी देश की पहली सेलिंग प्रीमियर लीग

संवाददाता—गोरखपुर। प्रतियोगिता ओपन केटेगरी में होगी और विजेताओं को नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। आयोजकों की कोशिश है कि इसमें कुछ ओलंपिक में प्रतिभाग कर चुके खिलाड़ी भी इसमें शामिल हों। गोरखपुर में इसके आयोजन से इस खेल को बढ़ावा मिलेगा। शहर के लोगों को रामगढ़ताल में रोइंग के बाद अब सेलिंग का भी रोमांच देखने को मिलेगा। देश में पहली बार सेलिंग प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है। इसकी मेजबानी गोरखपुर को मिली है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में यह प्रतियोगिता रामगढ़ताल में आयोजित होगी। इसमें देशभर के खिलाड़ी शामिल होंगे।

प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय सेना, मुख्यालय मध्य कमान और उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वाधान में होगा। इसको लेकर कमिश्नर सभागार में बैठक आयोजित हुई। इसमें प्रतियोगिता का तिथि को लेकर बात हुई। प्रतियोगिता के लिए कमिश्नर अनिल ढींगरा को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। यह प्रतियोगिता दर्शकों के लिए भी रोमांचक होगी।

प्रतियोगिता ओपन केटेगरी में होगी और विजेताओं को नगद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। आयोजकों की कोशिश है कि इसमें कुछ ओलंपिक में प्रतिभाग कर चुके खिलाड़ी भी इसमें शामिल हों।

गोरखपुर में इसके आयोजन से इस खेल को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यहां के युवाओं के लिए भी इसमें अपना भविष्य बनाने का मौका मिलेगा। बैठक के दौरान मध्य कमान मुख्यालय के मुख्य अभियंता मेजर जनरल सी जयचंद्रन, लेफ्टिनेंट कर्नल आलोक यादव, लेफ्टिनेंट कर्नल कीर्ति, सेना से सब एस चतुर्वेदी, यूपी रोइंग संघ के सचिव सुधीर शर्मा, आरएसओ आले हैदर और रोइंग कोच गणेश निषाद मौजूद रहे।

सेलिंग मुख्य रूप से समुद्र और लहरों के बीच में खेला जाने वाला खेल है, जिसमें बोट के ऊपर एक पर्दे नुमा कपड़ा होता है जिसको लहरों पर उठती हवाओं के माध्यम से कंट्रोल किया जाता है और उसी के हिसाब से आगे बढ़ते हुए खिलाड़ी जीत हासिल करता है। रामगढ़ताल का पानी और यहां की हवा इसके लिए अनुकूल है, इसीलिए प्रतियोगिता के लिए इसका चयन किया गया है। इसे साथ ही बगल में वॉअर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी इसके लिए मददगार है। सेलिंग एक ओलंपिक खेल है लेकिन भारत और खास तौर से यूपी में यह उतना लोकप्रिय नहीं है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए उत्तर प्रदेश की एक टीम बनाई जाएगी। साथ ही गोरखपुर में ही इसके लिए प्रशिक्षण भी होगा ताकि प्रतियोगिता से पहले यहां के खिलाड़ियों की अच्छी तैयारी हो सके। आयोजन का उद्देश्य नौकायन के खेल को व्यापक आधार देना और राज्य में खेल पर्यटन की अवधारणा को बढ़ावा देना है।

चिता से उठवाकर पोस्टमार्टम को भेजा नवविवाहिता का शव

संवाददाता—कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के नौगावां में बुधवार को दोपहर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। परिवार के लोग अंतिम संस्कार कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चिता से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। मामले की जांच में जुट गई है। विवाह बीस दिन पूर्व ही हुआ था।

नौगावां गांव निवासी व्यास सिंह की पत्नी पुष्पा (22) की घर में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के बाद परिवार के लोगों द्वारा आनन फानन में शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। किसी व्यक्ति ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने जलती चिता को बुझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव के लोग दबी जुबान घटना का कारण पारिवारिक कलह बता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट हुई है। लगभग बीस दिन पूर्व ही विवाह हुआ था। इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल कोई तहरीर नहीं मिली है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी को लेने ससुराल गए युवक ने पिया विषाक्त पदार्थ

संवाददाता—श्रावस्ती। पत्नी को लेने ससुराल गए एक युवक का ससुराल वालों से कुछ विवाद हो गया। जिससे नाराज होकर युवक ने विषाक्त पदार्थ पी लिया। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर बनी हुई है। गिलौला थाना क्षेत्र के पचदेवरी गांव निवासी अमरेश कुमार (22) पुत्र प्यारे लाल की ससुराल इसी थाना क्षेत्र के कोट मुबारकपुर में है। अमरेश के साले का सड़क दुर्घटना में पर टूट गया था। इस पर उसकी पत्नी अपने भाई को देखने गई थी। अमरेश पत्नी को लेने बुधवार को ससुराल गया था। जहां पत्नी को भेजने को लेकर ससुराल वालों से कुछ विवाद हो गया। इससे नाराज होकर अमरेश वहां से चला आया और रास्ते में विषाक्त पदार्थ पी लिया। इसके बाद घर आया। जहां पर उसकी हालत बिगड़ गई।

इंडो–नेपाल बार्डर क्षेत्र में 17 किमी सड़क को अब उम्मीद

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा चुनाव अब खत्म हो चुका है। चुनाव में व्यस्त अधिकारी अब विकास व निर्माण कार्य में फोकस करना शुरू कर दिए हैं। अब कार्य में तेजी आएगी। इस बीच इंडो नेपाल बार्डर डेवलेपमेंट योजना से भरवलिया ढाले शुरू होकर वाया लक्ष्मीपुर खुर्द, शीतलपुर, बहुवार, झुलनीपुर से होकर पथलहवा छोटी गंडक नदी तक बन रही सड़क के निर्माण में भी तेजी आने की उम्मीद है। इंडो नेपाल बार्डर डेवलपमेंट योजना के तहत भरवलिया से पथलहवा छोटी गंडक तक सड़क का निर्माण हो रहा है। बनायी जा रही 17 किमी लंबी सड़क पर काम तेज कर दिया गया है। एप्रोच का निर्माण, पेंटिग का कार्य तेज हो गया है। सड़क बन जाने से सीमाई क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में बेहद सुविधाएं मिलेंगी। वहीं एसएसबी के जवानों को बार्डर के चेक पोस्टो पर पेट्रोलिंग करने में बेहद सुविधा मिलेगी। एसएसबी के अधिकारियों द्वारा इंडो नेपाल बार्डर पर पेट्रोलिंग की दिक्कत को लेकर भारत सरकार से सड़क मार्ग बनाने की मांग की थी। इसके क्रम में वर्ष 2020 से इस मार्ग पर काम शुरू कर दिया गया। सड़क 17 किमी लम्बा व 30 मीटर चौड़ा बनायी जा रही है। जिसमे 300 ह्यूम पाइप लगने हैं। अभी तक 150 पाइप लगाया जा चुका है। बाकी बचे पर काम चल रहा है। भरवलिया ढाले शुरू होकर वाया लच्छमीपुर खुर्द, शीतलपुर, बहुवार, झुलनीपुर से होकर पथलहवा छोटी गंडक नदी तक जाएगी। सड़क नहीं बनने से टूठीबारी भरवलिया रामनगर, सुकरहर, बकुलडीह, बाड़न, किशुनपुर सहित दर्जनों गांव के लोगों को काफी लंबी दूरी तय करनी पड़ रही थी। सड़क बन जाने से समय और ईधन दोनों की बचत होगी। सड़क का निर्माण जय अम्बे ट्रेडर्स कंपनी के द्वारा बनाया जा रहा है। कंपनी के ठेकेदार राकेश सिंह ने बताया कि इंडो नेपाल बार्डर पर बन रही सड़क मार्ग पर लो लैंड होने की वजह से एक से लेकर तीन मीटर तक मिट्टी डालनी पड़ रही है। मिट्टी के आभाव के कारण काम रुक–रुककर करना पड़ रहा है। चुनाव समाप्त हो गया है अब काम युद्ध स्तर पर शुरू करा दिया गया है।

ग्राम प्रधान भरवलिया बैजनाथ यादव ने बताया कि बाढ़ के दिनों में सबसे अधिक परेशानी भरवलिया गांव के लोगों को होता है। इस मार्ग के बन जाने से ग्रामीणों को बहुत सहूलियत मिलेगी। शिव शकल यादव भरवलिया ने बताया कि बाढ़ के दिनों में भरवलिया गांव टापू बन जाता है। मुख्य मार्ग से गांव तक आने के लिए एक ही मार्ग है। जो बाढ़ के दिनों में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाता है। इस मार्ग के बन जाने से सीमावर्ती गांवो में आने जाने में सुविधा मिलेगी। गजेंद्र प्रजापति निवासी बसन्तपुर ने बताया कि बाढ़ के दिनों में यहां के लोगों की जीवन बेहद नारकीय हो जाती है। मुख्य मार्ग को छोड़कर सभी गांव के संपर्क मार्ग जलमग्न हो जाते है। नजदीक के लक्ष्मीपुरखुर्द बाजार जो गांव से मात्रा तीन किमी है। संजय साहनी निवासी रामनगर ने बताया कि इस सड़क के बन जाने से सीमाई क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। उबड़ खाबड़ रास्तो से निजात मिलेगी। वहीं जवानों को भी पेट्रोलिंग में सुविधा मिलेगी।

भारत– नेपाल सीमा पर 62.51 लाख की नगदी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। जिले के रुपईडीहा भारत– नेपाल सीमा पर पुलिस और एसटीएफ जांच कर रही थी। इस दौरान सीमा पर दो लोग संदिग्ध अवस्था में दिखाई पड़े। पुलिस ने उन्हें रोक कर पूछताछ के बाद शंका होने पर तलाशी लिया तो उनके पास से 62.51 नगदी बरामद हुआ। पुलिस ने पैसों के विषय में उनसे पूछताछ की तो दोनों लोग इसका कोई समुचित जवाब नहीं दे पाए। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बहराइच जिले के भारत नेपाल बॉर्डर रुपईडीहा पर बुधवार को एसटीएफ और पुलिस संयुक्त रूप से जांच कर रही थी। पुलिस को संदिग्ध अवस्था में दो लोग दिखाई पड़े। पुलिस ने उन्हें रोक कर पूछताछ किया तो वह लोग कुछ घबराए हुए दिखाई पड़े। पुलिस को शंका हुई तो उनके बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग 62.51 लाख रुपए की नगदी बरामद हुई। पुलिस ने रुपया के विषय में जानकारी लिया तो दोनों व्यक्ति कुछ भी नहीं बता सके। इसके बाद पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर रुपईडीहा थाने ले गई। जहां पर क्षेत्राधिकारी और पुलिस टीम ने उनसे पूछताछ किया। इस संबंध में सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि जिले के दो लोगों को नकदी के साथ पकड़ा गया है। नकदी की गिनती की जा रही है। जांच के बाद सभी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सात दिन से बिजली गुल, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। सात दिन बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने पर पकड़ी दीक्षित के ग्रामीण भड़क उठे। बृहस्पतिवार को ग्रामीणों ने परतावल बिजली उपकेंद्र से जुड़े पकडी दीक्षित गांव के चौराहे पर प्रदर्शन कर आपूर्ति बहाल करने की मांग की। समस्या का समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। लोगों ने कहा कि इस भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने से रात में नींद पूरी नहीं हो रही है।

30 मई की रात को आए चक्रवाती तूफान से विद्युत पोल और तार टूटकर गिर गए। बिजली विभाग ने उसके अगले ही दिन से मरम्मत कार्य शुरू कर दिया, लेकिन अभी तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। गांव और मुख्य सड़क के किनारे बिजली का पोल और तार टूटकर गिर गए हैं। बृहस्पतिवार को पकड़ी दीक्षित के लोगों ने बिजली विभाग के विरुद्ध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे हकीम, अंगद कसौधन, वारिस अली, राजकुमार, श्रवण मद्धेशिया, प्रहलाद आदि ने कहा कि भीषण गर्मी में सातवें दिन भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। इसी तरह काम हुआ तो जल्दी बिजली मिलने की उम्मीद नहीं है। लोगों ने मरम्मत कार्य में तेजी लाते हुए शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि मरम्मत कार्य कराया जा रहा है।

तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार,चोरी का माल नगदी बरामद, पोल खुली तो दंग रह गई पुलिस

संवाददाता–गोण्डा। पुलिस ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 24 हजार रुपए नकदी एप्पल का मोबाइल फोन, बाइक तमंचा बरामद कर आरोपियों को जेल भेज दिया है। लूट के तरीके जानकर पुलिस भी दंग रह गई।

बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से एप्पल मोबाइल फोन, नगदी आधार कार्ड छीनकर फरार हो गए थे। पीड़ित ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही थी। पुलिस और एसओजी टीम के संयुक्त प्रयास से तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से मोबाइल फोन 24 हजार रुपए नगद दो देसी तमंचा एक बाइक बरामद किया है। गोंडा जिले के धानेपुर इलाके में बाइक सवार लुटेरों ने एक व्यक्ति से एप्पल का फोन आधार कार्ड लूट कर फरार हो गए थे। पीड़ित ने इसकी शिकायत धानेपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ किया तो पता चला कि इन लोगों का एक संगठित गिरोह है। जिसका मुख्य सरगना आकाश यादव है। हालांकि आकाश यादव अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है। इन लुटेरों ने कई लूट की घटना का खुलासा किया। लूट करने के लिए आंख में मिर्च का पाउडर इसके अलावा कोई अन्य पाउडर भी डाल देते थे। जिससे कुछ समय के लिए आदमी बेचैन हो जाता था। और फिर लूट की घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो जाते थे। पुलिस के लिए यह लुटेरे चुनौती थे। सड़क पर लूट की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे। पकड़े गए आरोपियों में खरगपुर थाना के गांव असधा के रहने वाले सुमित कुमार तिवारी पुत्र मनराखन तिवारी कोतवाली नगर क्षेत्र के जानकी नगर के रहने वाले शौर्य कश्यप पुत्र जानू कश्यप तथा इमामबाड़ा के फैज अहमद को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ लूट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

संदीक्षा सदस्यों ने पौधरोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी मुख्यालय भिनगा में गुरुवार को संदीक्षा सम्मलेन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पौधे रोपे गए और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। संदीक्षा सम्मलेन की अध्यक्षता उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार की पत्नी व संदीक्षा सदस्य सुभीता देवी ने किया। उन्होंने संदीक्षा में जवानों के परिवारजनों की भूमिका और उनके सहयोग की सराहना की। इसके साथ ही विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जिसमें परिवार की भलाई, सुरक्षा और कल्याण के मुद्दे शामिल रहे। सम्मलेन के बाद पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सुभीता देवी समेत सभी संदीक्षा सदस्यों ने परिसर में पौधारोपण किया जिसमें आम, जामुन, आंवला और अन्य छायादार व फलदार वृक्ष रोपे गए। उन्होंने कहा पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। पौधारोपण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। पौधारोपण के अंत में सभी संदीक्षा सदस्यों ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर एसएसबी उपनिरीक्षक हीरे भाग्यश्री सुभाष, आरक्षी संचू तमांग, वैशाली आदि मौजूद रही।

कार्यदायी संस्था ने काट दी मेडिकल कालेज की बिजली, जेआर-एसआर तबाह

संवाददाता–कुशीनगर। मेडिकल कॉलेज में अकेडमिक ब्लॉक की बिजली कार्यदायी संस्था ने काट दी। गेट पर ताला बंद कर दिया। जेआर व एसआर के आने जहाने तक पर पाबंदी लगा दी। इससे वहां रहने वाले जेआर व एसआर तबाह हो गए। जेआर व एसआर का कहना है कि ऐसा अक्सर होता है। काफी देर बाद भी जब बिजली बहाल नहीं हुई तो नाराज जेआर व एसआर ने परिसर में बैठक की और सीएम, डिप्टी सीएम, डीएम व प्राचार्य को पत्र लिखकर काम ठप करने की चेतावनी दी। हालांकि प्राचार्य के हस्तक्षेप पर शाम को बिजली बहाल हो गयी। समस्या कार्यदायी संस्था द्वारा अब तक बिल्डिंग का हैंडओवर नहीं दिए जाने को लेकर पैदा हुई है। कार्यदायी संस्था के कई कामगार वहां ठेकेदार से बकाया मांगने पहुंचे थे। भुगतान नहीं मिला तो कामगारों ने बगल के गांव के ट्रांसफार्मर से आ रही बिजली काट दी। गेट पर ताला बंद कर दिया। काफी देर परेशान रहने के बाद कैंपस में रह रहे जेआर व एसआर ने प्राचार्य को पूरी बात बतायी तो वह भी नाराज हुए और सभी को समझा कर शांत कराया। जेआर व एसआर का कहना है कि अक्सर कार्यदायी संस्था बिजली काट देती है। इससे वह बिजली पानी आदि को लेकर परेशान हो जाते हैं। शाम को सभी ने बैठक के बाद सीएम, डिप्टी सीएम, डीएम व प्राचार्य को चेतावनी पत्र लिखकर अपनी समस्या बतायी और ऐसी हाले में काम ठप करने की चेतावनी दी। कार्यदायी संस्था ने अब तक भवन स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को हैंडओवर नहीं किया है। इसके कारण प्राचार्य ने बगल के ट्रांसफॉर्मर से अस्थाई बिजली कनेक्शन की व्यवस्था की है। हालांकि प्राचार्य ने बिजली विभाग में कनेक्शन देने के लिए आवेदन व शुल्क का भुगतान भी कर दिया है मगर इसमें हैंडओवर नहीं मिलने का पेंच है। कार्यदायी संस्था व उससे संबंधित लोग जब चाहे बिजली काट कर विवाद पैदा करते हैं। बुधवार को भी यही हुआ। जेआर व एसआर ने बताया कि कार्यदायी संस्था पर कुछ ठेकेदार व उनके आदमी बकाये का आरोप लगाकर अक्सर विवाद करने पहुंच जाते हैं। बुधवार को भी वह इसी चक्कर में पहुंचे थे और गेट पर ताला जड़ दिया। हम लोगों को बाहर तक नहीं निकलने दे रहे थे। इससे पहले ही ट्रांसफार्मर से बिजली काट दी थी। शाम को बिजली बहाल हो पायी है। डॉ आके शाही, प्राचार्य, स्वशाषी मेडिकल कॉलेज ने कहा कि कोट– बिजली बहाल हो गयी है। सारी बदमाशी कार्यदायी संस्था की है। हैंडओवर नहीं दे रहे हैं। बहाने बनाते रहते हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि तब तक वहां बिजली पानी की सप्लाई वह देंगे। कई बार ऐसा कर चुके हैं। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को चेतावनी दी है। एक सप्ताह में हैंडओवर करने को कहा है। वरना उनपर कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। बिजली विभाग के एक्सईएन से भी बात की है।

टोल टैक्स– लोकल रूटों के बस यात्रियों को नहीं देना होगा अतिरिक्त किराया

संवाददाता–गोरखपुर। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने टोल टैक्स में इजाफा किया है। पांच से 25 रुपये तक टोल बढ़ाए गए हैं। ऐसे में अब निजी गाड़ी से सफर करने वाले लोगों को जेब ढीली करनी पड़ रही है। मगर, बस से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। गोरखपुर और आसपास के टोल प्लाजा पर उन्हें बस के टिकट पर अतिरिक्त पैसे नहीं देने होंगे। वह जितना देते आ रहे थे, फिलहाल उसी किराये में सफर पूरा कर सकेंगे। परिवहन निगम ने लखनऊ रूट छोड़कर शेष पर टोल बढ़ने के बाद भी किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। लखनऊ रूट पर भी बस्ती तक अतिरिक्त किराया नहीं लगेगा, लेकिन उसके आगे जाने पर एक रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे।

एनएचएआई ने दो जून की रात से टोल टैक्स में पांच से 25 रुपये तक इजाफा किया है। ऐसे में अब सभी रास्ते, जहां पर टोल प्लाजा है, वहां से गुजरने के लिए लोगों को अतिरिक्त टैक्स चुकाना पड़ रहा है। मगर परिवहन निगम ने टोल टैक्स में मामूली वृद्धि के कारण आसपास के लोकल रूटों पर बसों का किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। परिवहन निगम के आरएम लव कुमार सिंह ने बताया कि गोरखपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में कुल 11 टोल प्लाजा पड़ते हैं। इसमें कुशीनगर, महराजगंज के साथ लखनऊ रूट के टोल प्लाजा शामिल हैं। इन सभी पर टोल टैक्स में मामूली वृद्धि की गई है। ऐसे में परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए आसपास के रूटों पर किराया न बढ़ाने का फैसला लिया है। सिर्फ लखनऊ रूट पर बस्ती टोल के आगे सफर करने वालों को एक रुपये अतिरिक्त किराया चुकाना होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि उसे हर टोल के लिए एक रुपये अतिरिक्त नहीं देने हैं, बल्कि लखनऊ तक के लिए सिर्फ एक रुपये ही अतिरिक्त किराया देना होगा। उन्होंने बताया कि अगर यात्री बस्ती से पहले तक सफर करता है तो किराये में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं की है।

रामनगरी अयोध्या में हारी भाजपा तो जगतगुरु परमहंस आचार्य बोले- जानबूझकर बुजुर्ग और दलित को दिया गया सम्मान

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश की सबसे हॉट सीट बनी फैजाबाद– अयोध्या लोकसभा सीट पर भी भारतीय जनता पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से इस सीट की चारों तरफ चर्चा हो रही है। वहीं, अब जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि अयोध्या से भाजपा हारी नहीं बल्कि बुजुर्ग और दलित को सम्मान दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आने के बाद जीत– हार को लेकर हर जगह मंथन का दौर जारी है। हर कोई चकित है कि आखिर अयोध्या जैसी सीट पर भारतीय जनता पार्टी को क्यों हार का सामना करना पड़ा। इसी बीच अयोध्या से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के हारने को लेकर तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने बड़ा बयान दिया है। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी हारी नहीं है, इसके पीछे एक रहस्य है। भाजपा ने जानबूझकर अयोध्या की सीट छोड़ी है। इसका कारण यह था कि गठबंधन ने यहां से एक दलित व्यक्ति को टिकट दिया था। जो अत्यंत बुजुर्ग हैं, इतने बुजुर्ग हैं कि ये समझिए कि उनका साल और 6 महीने चलना मुश्किल है। भारतीय जनता पार्टी में बुजुर्गों और दलितों का सम्मान सर्वोपरि है।"

उन्होंने रामायण का जिक्र करते हुए कहा, "मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के समय रामराज था। उस वक्त भगवान राम प्रत्येक व्यक्ति की खबर रखते थे, चारों तरफ देखते थे, किसी को कोई कष्ट तो नहीं है। उस समय पता चला है कि एक दलित ने कहा था, "मैं चाहता हूं भगवान राम सीता का परित्याग कर दें। तो प्रभु श्रीराम ने सीता का परित्याग कर दिया था। उस वक्त मंथरा ने कहा था कि भगवान राम को 14 साल के लिए वनवास पर जाना चाहिए। उन्हें जब यह पता चला था कि मंथरा ने कहा है

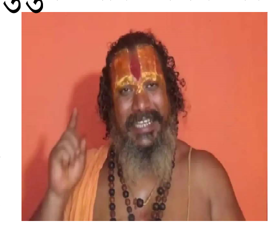

जो कि एक दलित महिला थी तो प्रभु श्रीराम खुशी–खुशी 14 साल के लिए वन चले गए। माता शबरी के जूठे बेर भी खाए। परमहंस आचार्य ने आगे कहा कि भाजपा अयोध्या की सीट हारी नहीं है। इसको नरेंद्र मोदी ने जानबूझकर एक बुर्जुग और दलित के सम्मान में छोड़ दी है। मैं आपको अंदर की एक बात बताता हूं कि अयोध्या में भाजपा कार्यकर्ता लल्लू सिंह कहते थे कि इस बार यहां पर दलित के सम्मान पर वोट देना चाहिए। यह एक बड़ी बात है और यही रामराज है, लोग इस बात को समझेंगे, तो उन्हें पता चलेगा कि नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व कितना बड़ा है, उनका दलित, गरीब और किसानों के प्रति कितना प्रेम है, उतना और किसी के अंदर नहीं हो सकता है। यहां भाजपा हारी नहीं है, यहां से जीतने वाले प्रत्याशी इतने बुर्जुग हैं। आगे जब चुनाव होंगे तो भाजपा यहां लाखों वोट से जीतेगी। बता दें कि अयोध्या से समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने भाजपा के दो बार के सांसद लल्लू सिंह को 54,567 वोटों से हराया है। वहीं, भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 4 लाख 99 हजार 722 वोट प्राप्त हुए।

तीन माह के भीतर दिलाएंगे उचित मुआवजा –अवधेश

संवाददाता–अयोध्या। फैजाबाद सीट से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्यावासियों की दुखती रग पर हाथ रखा। जीत हासिल करने के दूसरे ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके दावा किया कि तीन माह के भीतर जिले में भूमि अधिग्रहण की जद में आए व्यापारियों और किसानों को बाजार दर पर मुआवजा दिलाएंगे। उन्होंने 48 घंटे के भीतर इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का भी दावा किया है। सहादतगंज स्थित आवास पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास के नाम पर अयोध्या की जनता को ठगने और छलने का काम किया है। 10 किलोमीटर की परिधि में बसे कुशमाहा, परसपुर, किशुनदास, माझा आदि गांवों में तमाम योजनाओं के नाम पर विभिन्न पाबंदियां लगाई हैं। जमीन अधिग्रहण के नाम पर हो रहे इस गोरखधंधे को तीन माह के भीतर खत्म किया जाएगा। जिन लोगों की जमीनें कौड़ी के दाम ली गई हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। सरकार बनाने के लिए इस देश की जनता ने बदलाव की आंधी चलाई है, जिसका नतीजा अयोध्या जैसी सीट है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति प्राण प्रतिष्ठा में नहीं आईं, लेकिन चुनाव के दौरान दर्शन करने आईं। ऐसा कहीं देखने को नहीं मिला। 84 बार मुख्यमंत्री, तीन बार प्रधानमंत्री, कई बार राज्यपाल आए और देश के कोने–कोने से लोगों को यहां लाने का सिर्फ चुनावी मकसद था। जिले की देवतुल्य जनता ने जो उम्मीद की है, उस पर खरा उतरेंगे तभी अपनी जीत मानेंगे।

सपा की आंधी में नहीं दिखा बाहुबलियों का प्रभाव, गोसाईगंज भी हारी भाजपा

संवाददाता–अयोध्या। अंबेडकरनगर लोकसभा क्षेत्र में चली सपा की आंधी में गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के दोनों बाहुबली नेताओं का प्रभाव भी बेअसर रहा। हाल ही में भाजपा के करीब आए सपा विधायक भी कोई करिश्मा नहीं दिखा सके। अंततः इस सीट पर भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। जबकि, दोनों खेमे शक्ति प्रदर्शन करके बड़े–बड़े दावे करने से थक नहीं रहे थे।

2019 में अंबेडकरनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के तत्कालीन मंत्री रहे मुकुट बिहारी वर्मा चुनाव लड़े थे। उस समय गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता इंद्रप्रताप तिवारी विधायक थे। सपा के अभय सिंह रनर विधायक थे और वह सपा–बसपा गठबंधन से चुनाव लड़े रितेश पांडेय के साथ थे। उस चुनाव में भाजपा तो अंबेडकरनगर की सभी विधानसभा सीटों पर हार गई, लेकिन गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से लाज बचाई। उस समय भाजपा को यहां से 1,12,155 और बसपा को 1,01,121 वोट मिले थे। इस तरह भाजपा ने बसपा को 11034 मतों से हरा दिया था।

2022 में सपा के अभय सिंह, भाजपा की आरती तिवारी को हराकर विधायक बने, लेकिन बीते दिनों हुए राज्यसभा चुनाव में वह भाजपा खेमे में चले गए। जबकि, इंद्रप्रताप तिवारी पहले से ही भाजपा में थे। अभय सिंह प्रत्यक्ष रूप से सिर्फ अमित शाह की रैली में नजर आए, लेकिन मंच तक नहीं पहुंचे। पत्नी, पिता व समर्थकों को भाजपा में शामिल कराया और कई सम्मेलन कराकर ताकत का प्रदर्शन भी किया। ऐसे में इस विधानसभा सीट के बाहुबली छवि के दोनों नेताओं के भाजपा के पक्ष में लामबंद होने से यहां बेहतर परिणाम के कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन वह धूमिल हो गए। सपा की आंधी इतनी तेज चली कि दोनों नेताओं के सारे समीकरण ध्वस्त हो गए। भाजपा यहां से हर राउंड में हारती रही। अंततरू सपा इस बार यहां से 16,653 मतों से जीतने में कामयाब रही। दोनों नेताओं के सारे दावों की हवा निकल गई।

अहिरौली प्रथम के प्रधान का वित्तीय अधिकार सीज

संवाददाता–संतकबीरनगर। ब्लॉक के ग्राम पंचायत अहिरौली प्रथम के प्रधान पर प्रशासनिक गाज गिरी। ग्राम पंचायत में सरकारी धनराशि के दुरुपयोग के आरोप में ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार को सीज कर दिया गया है। यह कार्रवाई गांव वालों की शिकायत के बाद जांच में दोषी पाए जाने पर डीएम ने की है। इस मामले की अंतिम जांच के लिए जिला उपायुक्त श्रम रोजगार को सौंपी गई है। ग्राम पंचायत का विकास कार्य प्रभावित न हो इसके लिए खाते के संचालन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन के लिए ग्राम पंचायत सदस्यों की सूची मांगी गई है। डीएम ने डीपीआरओ को तत्कालीन ग्राम सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया है। अहिरौली प्रथम गांव के जयराम पुत्र पल्टू ने 15 बिंदुओं और गांव के ही उमेश सिंह पुत्र गनपत सिंह ने पांच बिंदुओं पर ग्राम प्रधान के खिलाफ शिकायत की थी। मामले की जांच के लिए भूमि संरक्षण अधिकारी, सिंचाई एवं जल संसाधन और सहायक अभियंता नलकूप खंड की टीम गठित कर जांच आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जांच अधिकारियों ने जांच पूर्ण कर जांच आख्या प्रस्तुत किया। जांच अधिकारियों की रिपोर्ट के मुताबिक शिकायत कर्ता उमेश सिंह पांच बिंदुओं की शिकायत में बिंदु संख्या पांच पर की गई शिकायत एवं जयराम की 15 बिंदुओं की गई शिकायत में बिंदु संख्या आठ एक समान है, जो कि परिवार रजिस्टर नवीनीकरण के लिए 21950 रुपये अनियमितता की गई है। इसके लिए ग्राम प्रधान विनय सिंह एवं तत्कालीन ग्राम सचिव मोहम्मद अफजल दोषी पाए गए हैं। ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव को एक पक्ष का अवसर देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण देने को कहा गया था। एक पक्ष बीत जाने के बाद भी प्रधान व ग्राम सचिव ने 23 फरवरी 2024 तक अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। स्पष्टीकरण करण प्राप्त न होने के कारण ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव को अनुस्मारक पत्र निर्गत कर तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के अंतिम अवसर दिया गया। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि नोटिस के बाद स्पष्टीकरण नहीं उपलब्ध नहीं कराया गया जिससे प्रथम दृष्टया साबित है कि जांच अधिकारी द्वारा पाई गई अनियमितता ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव को स्वीकार है, तथा इन्हें अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है। 21950 रुपये की अनियमितता में ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव दोषी पाए गए हैं। कार्रवाई करते हुए डीएम ने ग्राम प्रधान को प्रथम दृष्टया दोषी माना है तथा उनके प्रधान पद के वित्तीय तथा प्रशासनिक अधिकारों पर तत्काल प्रभाव से लगा दिया है।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com